केवी बद्दोवाल में बाला कला पहल पर रिपोर्ट

परिचय

केन्द्रीय विद्यालय (केवी) बड्डोवाल में बाला कला पहल का उद्देश्य रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से सीखने के माहौल को बढ़ाना था। इस परियोजना में स्कूल की दीवारों पर विभिन्न विषयों से संबंधित भित्ति चित्र बनाना शामिल था, जिससे छात्र कलात्मक प्रक्रिया में ऊर्जावान रूप से शामिल हो सकें।

छात्रों की भागीदारी

छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और उत्साह का प्रदर्शन करते हुए पेंटिंग गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रत्येक कक्षा को प्रतिनिधित्व करने के लिए विशिष्ट विषय दिए गए थे, जिससे उन्हें विज्ञान, गणित, साहित्य और पर्यावरण जागरूकता से संबंधित विषयों का पता लगाने का मौका मिला। इस व्यावहारिक भागीदारी ने न केवल टीम वर्क को बढ़ावा दिया, बल्कि सीखने को और अधिक दृश्य और आकर्षक बना दिया।

प्राथमिक विंग का नवीनीकरण

इस पहल के हिस्से के रूप में, स्कूल के प्राथमिक विंग का नवीनीकरण किया गया। दीवारों को जीवंत रंगों और शैक्षिक थीम के साथ ताज़ा किया गया था जो छोटे छात्रों को पूरा करते हैं। इस परिवर्तन ने एक स्वागत योग्य माहौल बनाया जो जिज्ञासा और सीखने को प्रोत्साहित करता है।

प्रेरणा के लिए नारे

भित्तिचित्रों के अलावा, प्राथमिक विंग में प्रेरक नारे भी चित्रित किए गए थे। ये नारे युवा शिक्षार्थियों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। "सीखना मजेदार है!" और "खोजें, सपने देखें, खोजें!" जैसे वाक्यांशों को सकारात्मक और उत्साहजनक माहौल को बढ़ावा देने के लिए रणनीतिक रूप से रखा गया था।

निष्कर्ष

केवी बद्दोवाल में बाला आर्ट पहल ने कला को शिक्षा के साथ सफलतापूर्वक जोड़ा है, जिससे छात्रों को अपने सीखने के अनुभव को बढ़ाते हुए खुद को रचनात्मक रूप से व्यक्त करने का अवसर मिला है। पुनर्निर्मित प्राथमिक विंग और शैक्षिक भित्ति चित्रों ने न केवल स्कूल को सुशोभित किया है, बल्कि छात्रों में सीखने के लिए जुनून भी जगाया है। यह परियोजना कला को शैक्षिक स्थानों में एकीकृत करने के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य करती है, जो छात्र विकास के लिए एक समग्र दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है।

दीवार कला

GARDEN OF MANNERS

YOU CAN'T USE UP creativity THE MORE YOU USE, THE MORE YOU HAVE

COMPUTER SHORTCUTS

L
Listening (सुनना)
भाषा को ध्यान से सुनना बहुत जरूरी होता है।
S
Speaking (बोलना)
बोलते वक्त भाषा का ध्यान रखें।
R
Reading (पढ़ना)
ठीक से पढ़ने की कोशिश करें।
W
Writing (लिखना)
लिखने के दौरान शब्दों-अक्षरों का ध्यान रखें।

बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ
जल है, तो कल है
SAVE WATER
SAVE LIFE

रचनात्मक हर्बल उद्यान